ओमस्यिोर कटि

हाल ही में भारतीय आयुर्वज्ञिान अनुसंधान परषिद (ICMR) ने SARS-CoV-2 कोरोनावायरस के **ओमक्रिॉन** वेरएिंट का पता लगाने के लयि **ओमस्यिोर** नाम की एक '**मेड-इन-इंडयिा**' परीक्षण कटि को मंजूरी दी है।

- **वर्तमान में देश में ओमक्रिॉन का पता लगाने के लयि उपयोग की जाने वाली कटि को अमेरकिा स्थति वैज्ञानकि उपकरण कंपनी थर्मो फशिर द्वारा वकिसति कयिा गया है।**
- इसके अलावा वश्वि स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने प्रयोगशाला क्षमताओं को मज़बूत करने के लयि कुछ उपायों का प्रस्ताव दयिा है, जसिमें कोवडि -19 नदिान उपकरणों तक पहुँच में असमानताओं को दूर करने पर ध्यान केंद्रति कयिा गया है।

प्रमुख बदि

- **ओमस्यिोर:**
  - यह आरटी-पीसीआर कटि '**टाटा मेडकिल एंड डायग्नोस्टकि्स**' द्वारा नरि्मति की गई है।
    - यह '**S-जीन टारगेट फेलर**' (एसजीटीएफ) रणनीति का उपयोग करती है।
  - वर्तमान में जीनोम अनुक्रमण के बाद ही ओमक्रिॉन रोगयिों का पता लगाया जाता है।
    - ओमस्यिोर टेस्ट कटि इस प्रक्रयिा को खत्म करने में मदद करती है और आरटी-पीसीआर परीक्षणों के दौरान नासॉफरनि्जियिल/ऑरोफरीन्जयिल नमूनों में SARS-CoV2 के **ओमक्रिॉन वेरएिंट** का पता लगाती है।
  - ओमक्रिॉन वेरएिंट के एस-जीन (S-gene) में कई उत्परवि्तन देखे जाते हैं। एसजीटीएफ रणनीति (SGTF strategy) कोवडि पोज़टिवि पाए जाने वाले रोगयिों की जाँच करती है एवं इसके लक्षणों को इंगति करती है।
  - 'एस' जीन, ओआरएफ, 'एन' जीन, आरडीआरपी, 'ई' जीन वायरल जीन हैं जन्हिें कोवडि-19 वायरस का पता लगाने हेतु लक्षति कयिा जाता है।
- **WHO का प्रस्ताव:**
  - **जीनोमकि्स कंसोर्टयिम:** WHO दक्षणि पूर्व एशयिा में SARS-CoV-2 जीनोमकि्स कंसोर्टयिम स्थापति करने का प्रस्ताव कर रहा है।
    - महामारयिों के लयि SARS-CoV-2 वायरल खतरों का पता लगाने और नगिरानी हेतु एक मज़बूत क्षेत्रीय प्रणाली वकिसति करने के लयि कंसोर्टयिम जीनोमकि अनुक्रमण और नगिरानी को बढ़ाने में मदद करेगा।
  - **जीनोम सीक्वेंसगि: WHO द्वारा** जीनोम अनुक्रमण/जीनोम सीक्वेंसगि **(Genome Sequencing) को बढ़ाने हेतु आह्वान कयिा गया था।**
    - यह सार्वजनकि स्वास्थ्य संबंधी नरि्णय लेते समय जीनोमकि डेटा के समय पर उपयोग में सुधार करने और भवषि्य के प्रकोप / महामारी के लयि तैयारयिों और प्रतक्रियिा को मजबूत करने में भी मदद करेगा।
  - **प्रमुख बाधाओं को संबोधति करना:** नरिंतर दीर्घकालकि परीक्षण और अनुक्रमण क्षमताओं के लयि सीमति प्रशक्षिति कार्यबल तथा अन्य संसाधनों जैसी प्रमुख बाधाओं की जाँच करने की आवश्यकता है।

भारतीय चकित्सिा अनुसंधान परषिद (ICMR)

- ICMR जैव चकित्सिा अनुसंधान के नरि्माण, समन्वय एवं संवर्द्धन के लयि भारत का शीर्ष नकिाय है।
- इसकी स्थापना वर्ष 1911 में **इंडयिन रसिर्च फंड एसोसएिशन (IRFA)** के नाम से हुई थी और वर्ष 1949 में इसका नाम बदलकर ICMR कर दयिा गया।
- यह भारत सरकार द्वारा स्वास्थ्य अनुसंधान वभिाग, स्वास्थ्य और परवािर कल्याण मंत्रालय के माध्यम से वत्तिपोषति है।

?????: ? ?????

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/omisure-kit